आकाशवाणी शिमला

28.10.2025 / प्रादेशिक समाचार / 15.00 बजे

राष्ट्रपति–आईएसए

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि इस समस्या से पूरा विश्व प्रभावित हो रहा है। नई दिल्ली में आज अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन–आईएसए सभा के आठवें सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में दृढ़ कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और दुनिया भर की सभ्यताएं लंबे समय से सूर्य को जीवन और ऊर्जा के परम स्रोत के रूप में मानती रही हैं। सभी के लिए सौर ऊर्जा की सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह पहल इस अवधारणा पर आधारित है कि सूरज की ऊर्जा सभी के लिए सुलभ है और किसी एक की नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा कि सौर ऊर्जा केवल बिजली उत्पाादन के बारे में नहीं बल्कि यह सशक्तीकरण और समावेशी विकास के बारे में है। राष्ट्रष्पति मुर्मु ने कहा कि हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी समावेशी और सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

जगत सिंह नेगी

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने स्पष्ट किया है कि धारा 118 में कोई छेड़छाड़ या बदलाव नहीं किया जा रहा है। आज शिमला में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने इस संबंध में विपक्ष के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि धारा 118 में विधानसभा की मंजूरी के बिना संशोधन संभव ही नहीं है। जगत सिंह नेगी ने कहा कि विधानसभा में जो संशोधन पहले किया गया था वो केवल धार्मिक संस्थाओं के लिए था ताकि उन्हें सीलिंग एक्ट से बाहर रखा जा सके। उन्होंने कहा कि ये विधेयक विपक्ष की सहमति से पास हुआ था और अब जनता को गुमराह करने के लिए भाजपा बयानबाजी कर रही है।

जी एस टी सुधार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नयी पीढ़ी की जीएसटी दरों को बचत उत्सव का नाम दिया गया है। **वस्तु और सेवा कर बचत उत्सव** का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रहा है। स्टेशनरी के सामान पर जीएसटी दरों में कटौती से लोगों को हो रहे लाभ पर प्रस्तुत है एक रिपोर्ट।

नई जीएसटी सुधारों के तहत, सरकार ने स्टेशनरी की वस्तुओं पर महत्वपूर्ण राहत प्रदान की है। नए कर ढांचे के तहत, पेंसिल, शार्पनर, क्रेयॉन, अभ्यास पुस्तिकाएँ, ग्राफ बुक, मानचित्र और चार्ट पूरी तरह से कर–मुक्त कर दिए गए हैं। इन वस्तुओं पर पहले 12 प्रतिशत जीएसटी लगता था। इसी प्रकार इरेजर जो पहले 5 प्रतिशत टैक्स स्लैब में आती थी, उसे भी कर मुक्त कर दिया गया है। इन सुधारों ने आवश्यक स्टेशनरी वस्तुओं को और अधिक किफायती बना दिया है, जिससे छात्रों के लिए सीखने की लागत कम हुई है और घरेलू निर्माताओं की मांग बढ़ी है। इस कदम से परिवारों के लिए जेब से होने वाले शिक्षा खर्च में कमी आई है। उच्च विद्यालयों में नामांकन को बढ़ावा मिला है। जीएसटी में कमी से न केवल शिक्षण उपकरण सस्ते हुए हैं, बल्कि देश भर में शिक्षा तक पहुँच भी बढ़ी है।

पर्यटन

बरसात में आपदा से ग्रस्त हुई पर्यटन नगरी मनाली में एक बार फिर पर्यटक पहुंचने लगे हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों सहित संपर्क मार्गों की बहाली के साथ ही मनाली में पर्यटन कारोबार फिर शुरू हो गया है। पर्यटन व्यवसायियों के अनुसार, मनाली शहर सहित सोलंग नाला, अटल टनल, मढ़ी, रोहतांग जैसे प्रसिद्ध स्थल पर्यटकों से गुलजार होने लगे हैं।

करीब करीब तीन महीने हमारा कारोबार बिल्कुल ठप्प रहा है। लेकिन हमारे रोड अब ठीक हो चुके हैं और अब टूरिस्ट आना शुरू हो चुका है। मनाली रोहतांग के पास स्नो फॉल भी हुई है काफी टूरिस्ट वहां देखने भी आ रहे हैं और उन्हें किसी भी प्रकार की किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

पीएम–वीबीवाईएलडी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं से विकसित भारत क्विज़ कॉम्पटीशन में भाग लेने का आग्रह किया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, नरेंद्र मोदी ने कहा कि दूसरा विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद देश के युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का शानदार अवसर है। उन्होंने कहा कि युवाओं के विचार और अंतर्दृष्टि विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। लोग इस महीने की 31 तारीख तक क्विज़ में भाग ले सकते हैं।

————————————————————————